UNIVERSITY NEWS 03 MARCH 2026

TIMES OF INDIA

Eight Sri Lankan students paint power of expression, visual art

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Eight Sri Lankan students from the College of Arts, Lucknow University, are transforming their personal narratives and thoughts into powerful visual expressions at '*Ashtpravah*', an art exhibition being organized at the Kala Srot Art Gallery in Aliganj.

Reflecting on his work, MA student R Avinda Tishan Fernando said, "My paintings capture Sri Lanka's social and political realities, portraying both tension and hope through rich textures and dynamic brushwork."

A PhD scholar in sculpture, EM Mahesh Chathuranga Ekanayaka, explored resilience and personal healing through his artwork. Bachelor of visual arts (sculpture) student, HM Akalanka Herath Bandara, conveyed unspoken emotions and silent sentiments through layered digital compositions.

A visitor at an exhibition

MA student in creative painting, HKA Venura Dilshanka De Silva, examined the psychological interplay between desire and transformation.

PhD scholar K Mathiskumar used national symbols in his canvases to explore themes of post-conflict unity and reconciliation, demonstrating how art can reflect collective healing and societal harmony.

Advanced visual arts researchers, Vetharaniyam Gokularamanan and Jathiskumar, created works informed by cultural memory and lived experience, highlighting personal and collective histories intersect in contemporary Sri Lankan art.

"Our artworks create a dialogue between individual experiences and shared cultural memory, reflecting how personal and collective histories intertwine in contemporary Sri Lankan art," said Vetharaniyam Gokularamanan.

AMRIT VICHAR

हिंदी साहित्य के तीर्थ थे जयशंकर प्रसाद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 'महाकवि जयशंकर प्रसाद साहित्य-संस्कृति महोत्सव 2026' में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि प्रसाद की रचनाएं राष्ट्र प्रेम और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी हुई हैं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय की प्रो. आभा ठाकुर ने प्रसाद और प्रेमचंद के कथा साहित्य में साम्य-वैषम्य पर अपनी बात रखते हुए गांधीवाद के प्रभाव को लक्षित किया। उन्होंने कहा कि प्रसाद मनुष्यता के हक़ में लिखने के हिमायती हैं। प्रसाद की कहानियां यथार्थ और आसपास के जीवन से करीब का रिश्ता बनाती हैं। प्रसाद के साहित्यिक पात्र न्यायकत्व और मनुष्यता का जयघोष करने वाले पात्र हैं। इसलिए हम इन कहानियों को अनंत काल तक याद करेंगे।

जूनागढ़ के अभिलेखों से राजा के कर्तव्य बताए

प्रो. शैलेन्द्र नाथ कपूर ने कहा कि 'अजातशत्रु' के माध्यम से प्रसाद बताते हैं कि जब गणतंत्रात्मक शासन होगा तो हमें किन चीजों से बचना होगा, रुकावटों से हम कैसे निपट सकते हैं। स्कंदगुप्त से जुड़े भितरी और जूनागढ़ के अभिलेखों का उद्धरण देते हुए उन्होंने राजा के कर्तव्यों पर प्रकाश डाला और उनकी वीरता को वरेण्य बताया। उन्होंने कहा कि वह व्यक्ति राष्ट्र के लिए अनुपयोगी है जिसमें राष्ट्रप्रेम का अंकुर नहीं है। माता-पिता भौतिक शरीर देते हैं, शिक्षक छात्रों को ज्ञानमय शरीर देता है। ऐतरेय ब्राह्मण का एक मंत्र 'चरैवेति चरैवेति' का सन्दर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि प्रसाद में आगे बढ़ने की प्रेरणा भरी हुई थी।

- **प्रसाद ने समता नहीं समरसता को महत्व दिया**

प्रो. सूरजबहादूर थापा ने कहा कि हम इतिहास को वर्तमान की चुनौतियों और समाधानों के लिए पढ़ते हैं। उन्होंने प्रसाद के साहित्य को संवैधानिक दृष्टि से देखे जाने की हिमायत की। उन्होंने बताया कि बौद्धिक, सामाजिक और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर मुक्तिबोध ने प्रसाद की सभ्यता समीक्षा की है। वे कामायनी का पुनर्मूल्यांकन करते हुए आनंदवाद की जगह प्रजातंत्रवाद की स्थापना करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रसाद जी की कविताओं का संसार प्रत्ययवादी है लेकिन कथा साहित्य में आने पर उनके लेखन का तेवर बदल जाता है। इस सत्र में डॉ. कृष्णा आर्या ने शोध पत्र का वाचन किया।

HINDUSTAN

एलयू में दाखिले की अंतिम तिथि तय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन (एलयूसीओडीई) में शैक्षिक सत्र जनवरी-फरवरी 2026 के तहत 11 ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। अंतिम तिथि 15 मार्च तय कर दी है। इच्छुक अभ्यर्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर एलयूसीओडीई के लिंक पर जाकर पंजीकरण कर सकेंगे। पंजीकरण से पूर्व अभ्यर्थियों को यूजीसी की वेबसाइट के माध्यम से डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो (डीईबी) पोर्टल पर पंजीकरण कराकर एबीसी आईडी बनाना अनिवार्य होगा।

इनमें प्रवेश का मौका

सेंटर के निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव ने बताया कि सत्र जनवरी-फरवरी 2026 के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में बीकॉम, एमकॉम मार्केटिंग, एमकॉम फाइनेंस एंड अकाउंटिंग, एमए अंग्रेजी, एमए अर्थशास्त्र, एमए संस्कृत, एमए राजनीति विज्ञान, मास्टर आफ सोशल वर्क आदि में प्रवेश लिए जाएंगे। इन पाठ्यक्रमों में एलयू की निर्धारित आर्हता पूरी करने वाले नौकरी पेशा से लेकर कोई भी अभ्यर्थी प्रवेश ले सकते हैं। आवेदन शुल्क 250 रुपये है। www. luonline edu cation.inपर आवेदन करना होगा।